# MP Board Class 8th Social Science Solutions Chapter 9 धार्मिक व सामाजिक सुधार आन्दोलन और सांस्कृतिक चेतना का विकास

प्रश्न 1.
निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए –
(1) सन् 1828 ई. में ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की थी?
(क) ईश्वरचन्द्र विद्या सागर
(ख) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(ग) राजा राममोहन राय
(घ) केशवचन्द्र सेन।
उत्तर:
(ग) राजा राममोहन राय

(2) प्रार्थना समाज की स्थापना कब तथा किसने की थी?
(क) सन् 1867 ई. में महादेव गोविन्द रानाडे ने
(ख) सन् 1875 ई. में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने
(ग) सन् 1897 ई. में स्वामी विवेकानन्द ने
(घ) सन् 1882 ई. में मैडम ब्लावाट्स्की ने।
उत्तर:
(क) सन् 1867 ई. में महादेव गोविन्द रानाडे ने

(3) 'मोहम्मडन एंग्लो ओरियंटल कॉलेज' की स्थापना किसने की थी ?
(क) नवाब अब्दुल लतीफ ने
(ख) शरीमतुल्लाह ने
(ग) मुहम्मद इकबाल ने
(घ) सर सैय्यद अहमद खाँ ने।
उत्तर:
(घ) सर सैय्यद अहमद खाँ ने

(4) 'वंदेमातरम्' गीत की रचना किसने की थी ?
(क) रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने
(ख) स्वामी विवेकानन्द ने
(ग) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने
(घ) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने।
उत्तर:
(ग) बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने।

प्रश्न 2.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(1) सन् 1829 ई. में लॉर्ड विलियम बैंटिंक के सहयोग से राजा राममोहन राय ने ..... के विरुद्ध कानून – पास करवाया था।
(2) सन् ..... ई. में 'डेक्कन एजूकेशन सोसायटी' की स्थापना महादेव गोविन्द रानाडे द्वारा की गई थी।
(3) ज्योतिबा फुले ने ..... के उत्थान के लिये कार्य किये।
(4) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने ..... नामक अपना ग्रन्थ प्रकाशित किया।
(5) रामकृष्ण मिशन की स्थापना ..... ने की थी।
उत्तर:

1. सती प्रथा
2. 1884
3. दलितों
4. सत्यार्थ प्रकाश
5. स्वामी विवेकानन्द

### अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 3.
(1) पं. मदनमोहन मालवीय द्वारा बनारस में किस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई ?
उत्तर:
पं. मदनमोहन मालवीय द्वारा बनारस में 'हिन्दू विश्वविद्यालय' की स्थापना की गई।

(2) रवीन्द्रनाथ ठाकुर को 1913 ई. में कौन-सा सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?
उत्तर:
रवीन्द्रनाथ ठाकुर को 1913 ई. में नोबल पुरस्कार' प्राप्त हुआ था।

(3) स्वामी विवेकानन्द का बचपन का नाम क्या था ?
उत्तर:
स्वामी विवेकानन्द का बचपन का नाम 'नरेन्द्रनाथ' था।

### लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 4.
(1) राजा राममोहन राय द्वारा सामाजिक हित में किये गये किन्हीं दो कार्यों को लिखिए।
उत्तर:
राजा राममोहन राय द्वारा सामाजिक हित में किये गये कार्य –

- सती प्रथा पर रोक लगवाकर उसे अपराध घोषित कराया एवं
- जाति प्रथा का घोर विरोध किया।

https://www.evidyarthi.in/

(2) आर्य समाज द्वारा समाज व संस्कृति के लिये किये गये किन्हीं तीन प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
आर्य समाज द्वारा समाज एवं संस्कृति के लिए किए गए प्रमुख तीन कार्य इस प्रकार हैं –

- आर्य समाज ने ही सबसे पहले हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं स्वराज्य की बात कही।
- आर्य समाज ने बाल विवाह का विरोध किया एवं
- आर्य समाज ने 'विधवा पुनर्विवाह' का समर्थन किया।

(3) रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने किस उद्देश्य से की थी ?
उत्तर:
स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय राष्ट्रवाद को आध्यात्म की अच्छाइयों से जोड़कर समाज की सेवा करने के उद्देश्य से रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

(4) दलितों के हित में 'ज्योतिबा फुले' द्वारा किये गये किन्हीं दो कार्यों को लिखिए।
उत्तर:
'ज्योतिबा फुले' द्वारा दलितों के हित में प्रमुख रूप से निम्नलिखित दो कार्य किये गये –

- छुआछूत का विरोध करते हुए जन-आन्दोलन चलाया एवं
- विधवा पुनर्विवाह का समर्थन करते हुए उन्होंने इस कार्य में व्यक्तिगत रूप से सहयोग किया।

(5) श्रीमती ऐनी बेसेण्ट द्वारा समाज के हित में किये गये दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
श्रीमती ऐनी बेसेण्ट द्वारा समाज हित में किये गये दो प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं –

- उन्होंने भारतीयों को उनकी संस्कृति की महानता को समझाते हुए पुनः जाग्रत करने का प्रयास किया एवं
- उन्होंने बाल-विवाह एवं जाति प्रथा का डटकर विरोध किया।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 5.
(1) मुस्लिम समाज सुधार आन्दोलन में सर सैय्यद अहमद खाँ द्वारा किये गये कार्यों को लिखिए।
उत्तर:
मुस्लिम समाज सुधार आन्दोलन में सर सैय्यद अहमद खाँ द्वारा प्रमुख रूप से निम्नलिखित कार्य किये गये –

- उन्होंने मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा के अध्ययन पर बल दिया तथा भाग्यवादिता को दूर करने का प्रयास किया।
  उन्होंने सन् 1864 ई. में एक अनुवाद समिति की स्थापना की, जो विज्ञान तथा अन्य विषयों की अंग्रेजी पुस्तकों का उर्दू में अनुवाद करने का कार्य करती थी।
- उन्होंने सन् 1877 ई. में अलीगढ़ में 'मोहम्मडन एंग्लो ओरियंटल कॉलेज' की स्थापना की, जहाँ अंग्रेजी माध्यम से कला एवं विज्ञान विषयों को पढ़ाया जाता था।
- उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम एकता का समर्थन किया, किन्तु बाद में वे पूर्णतः अंग्रेजों के प्रभाव में आ गये थे।
- उन्होंने दास प्रथा को इस्लाम के विरुद्ध बताया तथा कुरान के अध्ययन पर जोर दिया।

- उन्होंने अपने विचारों को 'तहजीब उल अखलाक' नामक पत्रिका का प्रकाशन कर समाज के सामने प्रस्तुत किया।

(2) सिक्ख आन्दोलन का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
पाश्चात्य शिक्षा व सुधार आन्दोलनों से प्रभावित होकर सिक्खों ने भी अपने सम्प्रदाय व समाज में सुधार लाने का इस प्रकार प्रयास किया –

- सिक्खों के गुरुद्वारे पुरोहितों व महंतों के कब्जों में हो गये थे, जिन्हें वे अपनी निजी सम्पत्ति समझने लगे थे।
- इसलिए महंतों से गुरुद्वारों को मुक्त कराने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी और अकाली दल ने मिलकर आन्दोलन चलाया और गुरुद्वारों का नियन्त्रण सिक्ख समाज को सौंपने की माँग की।
- शान्तिपूर्ण ढंग से चलाये गये इस आन्दोलन में जन समुदाय ने भी सहयोग किया।
- सभी के संयुक्त प्रयासों से सन् 1925 ई. में एक कानून बना जिसके अनुसार गुरुद्वारा के संचालन का भार 'शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति' को सौंप दिया गया।

(3) उन्नीसवीं शताब्दी में चलाये गये धार्मिक व सामाजिक आन्दोलनों का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा ? समझाइए।
उत्तर:
उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में जो धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आन्दोलन चलाये गये, उनके प्रभाव से भारतीय समाज के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक प्रत्येक क्षेत्र में निम्नलिखित सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले –

- आधुनिक शिक्षा, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन एवं साहित्य के अध्ययन में लोगों की रुचि में वृद्धि हुई।
- देश में स्कूलों एवं कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई।
- महिलाओं की स्थिति में भी कुछ सुधार हुआ। सती–प्रथा, बाल विवाह तथा पर्दा प्रथा में कमी आई एवं उनकी शिक्षा का विकास हुआ।
- सभी सुधारकों द्वारा वेदों के पुनः अध्ययन एवं संस्कृति के गौरव गान ने भारतीयों में स्वतन्त्रता व राष्ट्रीयता की भावना को और मजबूती प्रदान की।
- इन सुधार आन्दोलनों से पूरे देश में एक नई जाग्रति फैली तथा सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। परिणामस्वरूप भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलनों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

(4) उन्नीसवीं शताब्दी में विज्ञान के क्षेत्र में हुए विकास का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
अनेक सुधारकों ने विज्ञान के विकास से ही देश की प्रगति को सम्भव बताया, इसलिए उन्होंने विज्ञान के अध्ययन पर जोर दिया एवं अनेक वैज्ञानिक संस्थाएँ भी स्थापित की।

- चिकित्सा विज्ञान के पहले भारतीय विद्यार्थी, महेन्द्रनाथ सरकार थे, जिन्होंने विज्ञान का प्रसार करने वाली प्रमुख संस्था 'इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस' की स्थापना सन् 1876 ई. में की थी।
- बीसवीं सदी के तीसरे दशक में 'इण्डियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन' की स्थापना हुई।
- अंग्रेजी शासनकाल के प्रमुख भारतीय वैज्ञानिकों में मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (1861-1962) ने इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलोजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिये।
- प्रफुल्लचन्द्र राय, जगदीशचन्द्र बसु, सत्येन्द्र नाथ बसु, मेघनाथ शाह, जी. एन. वाडिया एवं बीरबल साहनी आदि वैज्ञानिकों का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा।

https://www.evidyarthi.in/